



ATTESTED



Brahm Patel

सज्जदार
पुलवके
जो

बेनामा भूमिधारी :-

26 FEB 2006

J. P. Singh
जो

स्टाम्प शुल्क:- ६४० रुपये आवास शुल्क:- १६० रुपये वोग:- ८००/- रुपये।
निम्न वर्णित भूमि अन्तर सीमा इम्पूवोन्ट ट्रस्ट मेरठ है तथा नगर निगम मेरठ की सीमा से बाहर है।

निम्न वर्णित भूमि जनपदीय मार्ग पर स्थित होने के कारण सर्किल रेट ७५००००/- रुपये का २५ प्रतिशत बढ़ाकर स्टाम्प शुल्क अदा किया जा रहा है।

विक्रेता ने साता सं० २६५ क के नम्बरान खसरा २८०मि०, व ३५३।४ व ३४१।२ व ३४२ व ३४३ व ३४४ व ३५४।१ का १।३ हिस्सा दिनांक:- ८-२-२००० ई० को विक्रय कर दिया था कि जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार प्रथम मेरठ में बही नं० १ खण्ड २०७५ के सफे ३७७।३६० में संख्या ८५२ पर हुई थी। लेकिन मूलज नम्बर खसरा ३५४।२ रकबई ०.०२५ हेक्टेयर का १।३ हिस्से का बेनामा रजिस्ट्री होने से रह गया था । जिसका बेनामा आज रजिस्ट्री कराया जा रहा है।

Brahm Patel

J. P. Singh

A. KASHID
Stamp, : code: MRR
L. No. 157/13

9 7/4 8000/4
 160 20 180 900
 शुल्क शुल्क शुल्क शुल्क
 श्री/श्री मति ७६७५७७६६
 निवासी (७७७)
 मैं यह लेखक लेखक लेखक लेखक में आज
 दिनांक 9/12/04 लेखक के मध्य ७७७७७७
 निबन्धन हेतु प्रस्तुत किया। ७/12/04
 उप निबन्धन प्रथम-मे ७७७७७७

Broken Pel legs

लख पत्र के निष्पादन को सुनिश्चित व समझा करे-

श्री
१६ नवंबर २०१८

.....

.....

8000

21/11/25 5/10 9674 48

12/11/25 3/10 1291 87 की 30

लिखितक पत्रम् 9/3/22

Brahmatalig

Shepherd

griping

[Handwritten signature]



-२-

- १:- बैनामा भूमिधरी। विक्रय मूल्य व बाजारी मालियती अधिकतम ८०००/- रुपये हैं।
- २:- विक्रीत भूमि का द त्रिफल ०.०८ हेक्टेयर लगानी ३२ पैसे सालाना बाक़े मोबा सालारपुर जलालपुर परगना व तहसील व जिला मेरठ।
- ३:- किसिम जमीन सैवटा अव्वल आदी दर ७५००००/- रुपये प्रति हेक्टेयर हैं।
- ४:- विक्रीत भूमि दो फसली है तथा सिचाई प्राईवेट ट्यूबवेल से होती है।
- ५:- विक्रीत भूमि में कोई बाग नहीं है। तथा विक्रेता आदिवासी अनुसूचित व जनजाति के सदस्य नहीं हैं।
- ६:- विक्रीत भूमि कृषि प्रयोजन की भूमि है और समस्त राजस्व अमिलेखों में कृषिदर्ज है और कृषि कार्य हेतु क्रय व विक्रय की जारही है।

-००-

मैं कि ब्रह्म पाल पुत्र श्री शिव चरण साकिन मोबा रजपुरा परगना व तहसील व जिला मेरठ का हूँ:-

जो कि १।३ एक बटा तीन हिस्सा यानि मुक़्दिर का अपना कुल ह्य वहिस्सा अज सालिम नम्बर खसरा ३५४।२, तीन सौ चौवन बटा दो रकबई ०.०२५ हेक्टेयर

Brahm Pal Singh

grip

दिनांक: 1
 यह पत्र का प्रारम्भ: 12 (दस्तावेज)
 यह पत्र का माध्यम: पत्र प्रसारण
 निम्नलिखित का प्रारम्भ: ६० बिलियन
 एक प्रारम्भ करने के लिए: आज्ञा
 यह पत्र निम्नलिखित माध्यम: पत्र प्रसारण
 यह पत्र निम्नलिखित माध्यम: पत्र प्रसारण
 निम्नलिखित का प्रारम्भ: ११४०५
 निम्नलिखित का प्रारम्भ: ११४०५

Page 10 of 10



-३-

लगाती ६५ पैसे सालाना मुताल्लिका लाता खतीनी नं० २६५। ला वाके मौजा सालारपुर
 जलालपुर परगना व तहसील व जिला मेरठ मिलकियत मकबूजा व भूमिधर व मजाज
 इन्तकाल तन्हा मुकिर बिला शरकत गैरे व मददालत दीगरे हैं कि जो आज की तारीख
 तक मुकिर की जानिज से हर तरह के बारे बिकालत व सदमात इन्तकालात व नकायस
 कानूनी से पाक व साफ हैं कोई अमर माने इन्तकाल नहीं हैं । कीमत उपरोक्त आराजी
 की इस वक्त निहायत माकूल ८०००/- आठ हजार रुपये मिलरही है बेचने में ही मुकिर
 का पूरा पूरा फायदा हैं। लिहाजा मुकिर ने अपना कुल हक व हिस्सा यानि १।३
 हिस्सा मजदूरे वाला की मय तमाती हक हकूक मुताल्लिक हर किस्म मौके पर खाली
 मय हकूक दाखली व खारजी बहालत सेहत नफस व सवाते अकल अपनी ऐन खुशी व
 रजामन्दी से विलखव मुबल्लि ८०००/- आठ हजार रुपये कि आधे जिसके मुबल्लि
 ४०००/- चार हजार रुपये होते हैं बदस्त श्री जय प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री बलवन्त सिंह
 निवासी १८४ बी० आबूलेन मेरठ कैंट बय कतई कर दी औरवेच डाली औरजरे समन
 तमाम व कमाल खरीदार से नकद हंगाम रजिस्ट्री वसूल पाकर आराजीमुवेवा को
 अपने कब्जे दखल व तहत मिलकियत से निकालकर बकबजे दखल व तहत मिलकियत

Brahmopal Singh

g. m. o.



-४-

- खरीदार मौसूफ के देकर मालिक मुस्तकिल व वाकई करादिया ।
 खरीदार को हक होगा कि अपना दाखिल खारिज कागजात
 मालमें करा ले। मैं विफ्रेता अपनी रजामन्दी व बयान हलफी
 देने का पाबन्द व जिम्मेदार रहूंगा। अगर अब या आहन्दा
 वजह दावेदारी किसी सहीम वसरीक वारिस या जानसीनान
 मुस्तकिल व हकदार या किसीनुकस कानूनी की वजह से आराजी
 मुबैया कुल या जुज खरीदार के कब्जे दखल व तहत मिलकियत से
 निकल जावे या खरीदार का दाखिलखारिज न हो या मेरी
 जानिवरी कोई लोन या कर्ज लिया हुआ पाया जावे और उसके
 खज में खरीदार को अदा या सफा करनापडे तो ऐसी हर
 सूरत वाहिद में खरीदार को हक होगा कि अपना जरे समन
 जेसी कि सूरत हो मय हर्जा व खर्चा हर किस्म मय लागत

Abraham Dal Singh

Dr. M. R.



-५-

माबाद मय सूद कानूनी जरिये अदालत मुक्ति की जात खास व जुमला जायदाद हरकिस्म से वापस वसूल करलै। जिसमें मुक्ति व वारिसान मुक्ति को कुछ उज्जही होगा। लिहाजा यह बैनामा कतई लिख दिया कि सनद हो और वक्त जरूरत काम आवे। फक्त।

Brakham Pal Singh

giri m h

Sh. K. Singh s/o Brakham Pal
wid. s/o Post-Rajpura
meera

(Yogendra Singh)
Advocate
meera

दिनांक:- ६-३-०४ ई० व मसविदा रकी अख्तारसब्बवारी इन्वॉकैट मेरठ
व टा० सुरेश चन्द रमी मेरठ ॥

सुरेश चन्द

अख्तारसब्बवारी

ਲਗ ਪਲਿਸਟ੍ਰਾ ਮੋਰਠ ਸ਼ਾਹਜ਼ਾਦਾ

साला
जालानपुल
पाठ
मिमी
पु



Waterfall high

gimaf



Site Plan Presented With
document No. 1942 - 2024

